***T-Hub signs MoU with CIMP BIIF (B-Hub) to boost Bihar's entrepreneurial ecosystem.***

*· T-Hub signs MoU with CIMP-BIIF to replicate its successful incubation model in Bihar.*

*· T-Hub's expertise and guidance to benefit Bihar's entrepreneurial ecosystem through collaboration with CIMP-BIIF*

20th March 2022, India-

T-Hub, India's leading innovation ecosystem today, signed an MoU with CIMP Business Incubation and Innovation Foundation (CIMP-BIIF), which manages B-hub in collaboration with the Department of Industries in Bihar. The MoU was signed with the aim of synergizing and collaborating to boost the entrepreneurial ecosystem in the state of Bihar.

The T-Hub team participated in a two-day visit to attend a business conclave hosted by the Chandragupt Institute of Management Patna (CIMP) in celebration of the occasion. The visit culminated in a series of events, including a student face-to-face interaction session, an entrepreneur session with incubated startups at B-hub, a management session with faculty and staff members at CIMP and CMP BIIF, and an official MoU signing ceremony. Wg Cdr Anish Anthony Retd (Chief Delivery Officer, T-hub) and Mr. Saurabh Nitnaware (Manager, Govt. Innovation programs, T-hub) were present during the MoU signing ceremony, alongside Prof. (Dr) Rana Singh, Director CIMP, Shri Kumod Kumar (Chief Administrative Officer, CIMP), Prof. (Dr) Rajeev Verma, and other faculty members and staffs of CIMP BIIF.

Speaking on the occasion, Wg Cdr Anish Anthony said, "We are excited to partner with CIMP BIIF in Bihar to boost the entrepreneurial ecosystem in the state. Through this strategic collaboration, we aim to share our expertise and knowledge to help build a vibrant startup ecosystem in Bihar, creating opportunities for the youth and fostering innovation and growth." He also congratulated both teams and shared insights into T-Hub's journey towards becoming the world's largest and India's best innovation & incubation ecosystem.

Prof. (Dr) Rana Singh during his address expressed his gratitude and appreciation towards the T-Hub team for extending the immense support and collaboration. He said, “This MoU is a remarkable one for the state of Bihar as it would be a great opportunity for CIMP BIIF to learn from the masters of this field i.e., T-Hub. We would try our best to replicate the T-Hub model of incubation in Bihar and like always as leaders, we wish and envisage ourselves to be in the role of mother incubation centre under the startup ecosystem in the state of Bihar.”

During the Face2Face interactive session organized for the students, Wg Cdr. Anish Anthony talked about the role of T-hub as an incubator, emphasizing its 6Ms Mentors, Market, Motivation, Manpower, Money, Methodologies) and 2Ps (Partnerships & Policy advisory) framework. He also highlighted the importance of the fast-changing digital landscape in India and the upcoming wave of growth that will ride on innovation and sustainable entrepreneurship.

On the second day of the visit, the T-Hub team during the Entrepreneurial Session at B-Hub interacted with the incubatee- startups who displayed their products and services. Also, the startups sought suggestions and solutions from the highly experienced T-Hub members. The visit ended with a valedictory session where Shri Kumod Kumar, CEO of CIMP-BIIF also CAO of CIMP, delivered the Vote of thanks and expressed his gratitude towards the T Hub team for being MoU partners and now looking forward to the joint endeavors in near future.

**ABOUT T-HUB**

T-Hub (Technology Hub) is an innovation hub and ecosystem enabler. Based out of Hyderabad, India, T-Hub leads India's pioneering innovation ecosystem and is the world's largest innovation campus. Over the six years, T-Hub has pivoted around the 6Ms (Mentorship, Money, Market Access, Motivation, Mindset, Manpower) and 2Ps (Partnerships & Policy advisory) framework with a mission of driving results and collaboration for entrepreneurs' success. It has delivered 100+ innovation programs so far, creating an impact for startups, corporations, and other innovation ecosystem stakeholders. Since inception, it has provided over 2000 national and international startups with access to better technology, talent, mentors, customers, corporates, investors, and government agencies.

CIMP
www.cimp.ac.in
FACE2FACE
With
t-hub
Wg Cdr Anish Anthony
Topic

CIMP
www.cimp.ac.in
Shri Kumod Kumar
Prof. (Dr.) Rana Singh
Director, CIMP
Wg Cdr Anish Anth

## *सीआईएमपी-बीआईआईएफ और टी-हब के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर*

बिहार के उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए टी-हब ने सीआईएमपी बीआईआईएफ के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

· टी-हब ने बिहार में अपने सफल ऊष्मायन मॉडल को दोहराने के लिए सीआईएमपी-बीआईआईएफ के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

· टी-हब की विशेषज्ञता और मार्गदर्शन सीआईएमपी-बीआईआईएफ के सहयोग से बिहार के उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र को लाभान्वित करेगा

सीआईएमपी बिजनेस इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन फाउंडेशन (सीआईएमपी-बीआईआईएफ), ने टी-हब, तेलंगाना राज्य और भारत के सर्वश्रेष्ठ इनक्यूबेटर के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

सीआईएमपी-बीआईआईएफ बिहार राज्य में अग्रणी इनक्यूबेशन केंद्रों में से एक है और वर्तमान में बिहार उद्योग विभाग, के सहयोग से बी-हब का प्रबंधन कर रहा है, वही दूसरी तरफ टी-हब दुनिया के सबसे बड़े इनोवेशन कैंपस के साथ एक इनक्यूबेटर के रूप में अपनी विश्व स्तरीय पेशेवर सेवाओं के लिए उद्योग जगत में जाना जाता है।

इस एमओयू का उद्देश्य टी-हब की तर्ज पर बिहार राज्य में उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए तालमेल और सहयोग है, इस अवसर पर टी-हब टीम के प्रतिनिधि चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना द्वारा निजी तौर पर आयोजित बिजनेस कॉन्क्लेव के लिए दो दिवसीय दौरे पर थे। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर समारोह के दौरान, सेवानिवृत्त विंग कमांडर श्री अनीश एंथोनी (मुख्य वितरण अधिकारी, टी-हब) और श्री सौरभ नितनावरे (प्रबंधक, सरकारी नवाचार कार्यक्रम, टी-हब) उपस्थित थे और उनके साथ प्रोफेसर (डॉ) राणा सिंह, निदेशक चंद्रगुप्त संसथान , श्री कुमोद कुमार (मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, सीआईएमपी), प्रो. (डॉ.) राजीव वर्मा और अन्य संकाय सदस्य और सीआईएमपी बीआईआईएफ के कर्मचारी भी थे। ।

प्रो. (डॉ.) राणा सिंह ने अपने संबोधन के दौरान अपार समर्थन और सहयोग देने के लिए टी-हब टीम के प्रति आभार और प्रशंसा व्यक्त की। उन्होंने कहा, “यह समझौता ज्ञापन बिहार राज्य के लिए एक उल्लेखनीय कदम है क्योंकि यह सीआईएमपी बीआईआईएफ के लिए इस क्षेत्र के मास्टर्स यानी टी-हब से सीखने का एक बड़ा अवसर होगा। हम बिहार में इन्क्यूबेशन के टी-हब मॉडल को दोहराने की पूरी कोशिश करेंगे और हमेशा की तरह लीडर्स के रूप में, हम बिहार राज्य में स्टार्टअप इकोसिस्टम के तहत मदर इनक्यूबेशन सेंटर की भूमिका में होने की परिकल्पना करते हैं ।

इस अवसर पर बोलते हुए, श्री अनीश एंथोनी (मुख्य वितरण अधिकारी, टी-हब) ने कहा "हम राज्य में उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए बिहार में सीआईएमपी बीआईआईएफ के साथ साझेदारी करने के लिए उत्साहित हैं। इस सामरिक सहयोग के माध्यम से, हम बिहार में एक जीवंत स्टार्टअप पारिस्थितिक तंत्र बनाने में मदद करने के लिए अपनी विशेषज्ञता और ज्ञान साझा करना चाहते हैं।" उन्होंने दोनों टीमों को बधाई दी और टी-हब की दुनिया की सबसे बड़ी और भारत की सबसे अच्छी इनोवेशन और इन्क्यूबेशन पारिस्थितिकी तंत्र बनने की यात्रा में अंतर्दृष्टि साझा की।

इस दो दिवसीय बिजनेस कॉन्क्लेव यात्रा के दौरान, अलग-अलग सत्र जैसे कि स्टूडेंट्स फेस2 फेस इंटरेक्शन सत्र, बी-हब में इनक्यूबेटेड स्टार्टअप्स के साथ उद्यमी सत्र, सीआईएमपी और सीएमपी बीआईआईएफ में संकाय और स्टाफ सदस्यों के साथ प्रबंधन सत्र और आधिकारिक एमओयू हस्ताक्षर समारोह आयोजित किए गए।

CIMP के छात्रों के लिए CIMP सभागार में टी -हब की टीम के साथ फेस २ फेस इंटरैक्टिव सत्र भी आयोजित किया गया था। विंग कमांडर श्री अनीश एंथोनी और श्री सौरभ निटनवारे अतिथि वक्ताओं के रूप में मौजूद थे । प्रोफेसर राजीव वर्मा, निदेशक CIMP बिजनेस इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन फाउंडेशन और श्री विभास कुमार (प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस, CIMP) ने भी इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। सत्र के दौरान, श्री अनीश एंथोनी ने भारतीय वायु सेना में एक विंग कमांडर होने से लेकर स्टार्टअप 'माई गेट जीएम' जो एक बहु-मिलियन डॉलर की कंपनी है के संस्थापक सह सीईओ बनने और वर्तमान में टी-हब में मुख्य वितरण अधिकारी के रूप में कार्यरत होने तक की अपनी यात्रा के बारे में बात की ।

उन्होंने इनक्यूबेटर के रूप में टी-हब की भूमिका के बारे में बात करते हुए, कहा, "छह वर्षों में, टी-हब ने 6Ms (मेंटर्स, मार्केट, मोटिवेशन, मैनपावर, मनी, मेथोडोलॉजी) और 2Ps (पार्टनरशिप और पॉलिसी एडवाइजरी ) के मूलभूत ढांचे पर काम किया है । टी -हब ने अब तक 100+ नवाचार कार्यक्रम वितरित किए हैं, जो स्टार्टअप्स, निगमों और अन्य नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र के हितधारकों के लिए एक प्रभाव पैदा कर रहे हैं। स्थापना के बाद से, इसने 2000 से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्टार्टअप को बेहतर तकनीक, प्रतिभा, संरक्षक, ग्राहक, तक पहुंच प्रदान की है। कॉरपोरेट्स, निवेशक और सरकारी एजेंसियां जैसे की तेलंगाना सरकार, IIIT, ISB, NALSAR और टेक महिंद्रा की मदद से 2015 में टी-हब को खड़ा किया गया।

स्टार्टअप्स के बारे में चर्चा करते हुए उन्होंने कहा, "दुनिया भर में स्टार्टअप की 'परिभाषा' के बारे में कोई आम सहमति नहीं है और इसलिए G-20 जनादेश के एजेंडे में वैश्विक स्तर पर स्टार्टअप की एक आम परिभाषा के साथ आना है जो वैश्विक स्तर पर मान्य हो ।" बड़े पैमाने पर दुनिया की तुलना में भारत में तेजी से बदलते डिजिटल परिदृश्य के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने यह भी कहा कि यूपीआई प्रणाली और अन्य एकीकृत प्रणाली, जिस पर हमारी भारत सरकार काम कर रही है, के परिणामस्वरूप भारत दुनिया में सबसे नवीन स्टार्टअप इकोसिस्टम में से एक बन गया है और 900 मिलियन की सबसे युवा कार्यबल आबादी वाला भारत निकट भविष्य में इसे तीन ट्रिलियन अर्थव्यवस्था में बदलने का लक्ष्य प्राप्त कर सकता है।

उन्होंने प्रौद्योगिकी क्षेत्र में 'हाफ-लाइफ ' की अवधारणा के बारे में भी बात की, जहां हर दो साल में एक तकनीक अप्रचलित या अप्रासंगिक हो जाती है या बाजार में जीवित रहने के लिए उन्नयन की आवश्यकता होती है। उन्होंने यह भी कहा, "इन दिनों स्टार्टअप फंड की कमी के कारण नहीं बल्कि फंडिंग के अपच के कारण मर जाते हैं जब वे योजनाबद्ध तरीके से फंड खर्च नहीं कर पाते हैं।" उन्होंने प्रतिभागियों से सवाल भी लिए और उत्साह से उनका जवाब दिया। प्रतिभागियों ने सत्र को काफी रोचक पाया।

प्रोग्राम के दूसरे दिन, बी-हब मौर्या लोक में उद्यमशीलता सत्र के दौरान टी-हब टीम ने इनक्यूबेटी- स्टार्टअप्स के साथ बातचीत की, जिन्होंने अपने उत्पादों और सेवाओं को प्रदर्शित किया। साथ ही स्टार्टअप्स ने अत्यधिक अनुभवी टी-हब सदस्यों से अपने स्टार्टअप्स को लेकर सुझाव और समाधान मांगे।

यात्रा समापन सत्र के साथ समाप्त हुई, जहां सीआईएमपी-बीआईआईएफ के सीईओ श्री कुमोद कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया और समझौता ज्ञापन भागीदार होने के लिए टी हब टीम के प्रति आभार व्यक्त किया ।